

अध्याय: रैन बसेरे में... (यात्रावृत्त)

(अमृतलाल वेगड़)

अध्याय सारांश

1. भारी वर्षा यात्रा में बाधा डालती है:

भारी बारिश के कारण लेखक और उनके सहायक छोटू को 'पथोड़ा' गाँव में रात बितानी पड़ती है।

* कनक मधु यात्रा के कारण लेखक और उनके सहायक छोटू को 'पथोड़ा' गाँव में रात बितानी पड़ती है।

2. मंदिर के बरामदे में निवास:

पथोड़ा गाँव में लोगों ने एक नया मंदिर बनाया था। वहाँ अभी मूर्ति की स्थापना नहीं हुई थी। मंदिर के लोहे की जालीवाले बरामदे में लेखक और छोटू के ठहरने का प्रबंध एक ग्रामीण ने कर दिया।

* कनक मधु यात्रा के कारण लेखक और उनके सहायक छोटू को 'पथोड़ा' गाँव में रात बितानी पड़ती है।

3. रात का अतिथि:

रात को जब वे सोने लगे, तब अचानक एक आदमी वहाँ आया और बरामदे में खाली दरी पर लेट गया। उसके पास ओढ़ने के लिए कुछ नहीं था। वह कुछ बड़बड़ा रहा था, कभी जोर से हँसता और रामायण की चौपाइयाँ गाता था।

* कनक मधु यात्रा के कारण लेखक और उनके सहायक छोटू को 'पथोड़ा' गाँव में रात बितानी पड़ती है।

4. धमकी और सामान फेंकना:

अचानक वह आदमी उठा और लेखक पर चिल्लाने लगा। उसने पूछा- "तुम कौन हो? यहाँ कैसे घुसे?" उसने लेखक का 'पिटू' (बैग) उठाया और सामान दूर फेंकने लगा। उसने कहा कि वह एक 'सी.आई.डी. इंस्पेक्टर' है और चोरों को पकड़ने आया है।

* कनक मधु यात्रा के कारण लेखक और उनके सहायक छोटू को 'पथोड़ा' गाँव में रात बितानी पड़ती है।

5. किताबें पाकर शांति:

बैग से कुछ किताबें मिलने पर वह आदमी शांत हो गया। जब उसे पता चला कि लेखक एक रिटायर्ड टीचर हैं, तब वह उनके पैर दबाने लगा। उसने 'गुरुदक्षिणा' के रूप में लेखक को 20 पैसे का एक सिक्का दिया।

* कनक मधु यात्रा के कारण लेखक और उनके सहायक छोटू को 'पथोड़ा' गाँव में रात बितानी पड़ती है।

അയാളുടെ കൈകാലുകൾ തടവിക്കൊടുക്കുകയും ഗുരുദക്ഷിണയായി 20 പൈസ നാണയം കൈയിൽ വെച്ച് കൊടുക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.

6. युवक का आगमन:

सुबह एक ग्रामीण युवक वहाँ आया। उसने बताया कि वह आदमी उसका पिता है और उसे पागलपन के दौरे पड़ते हैं।

* യുവാവിന്റെ ആഗമനം : രാവിലെ ഗ്രാമവാസിയായ ഒരു യുവാവ് വന്ന് ആ മനുഷ്യൻ തന്റെ അച്ഛനാണെന്നും അദ്ദേഹത്തിന് ഭ്രാന്തിന്റെ അസുഖമുണ്ടെന്ന് അറിയിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു.

7. पश्चाताप और सम्मान:

बाद में उस आदमी ने लेखक के पैर छुए और माफी माँगी। उसने लेखक को 'गुरुदेव' कहा। लेखक को लगा कि उस आदमी ने दुनिया के सभी गुरुओं का सम्मान बढ़ाया है।

* പശ്ചാത്താപവും ബഹുമാനവും : പിന്നീട് ആ മനുഷ്യൻ എഴുത്തുകാരന്റെ കാൽ തൊട്ട് വന്ദിക്കുകയും മാപ്പ് ചോദിക്കുകയും ചെയ്യുന്നു. ആ അപരിചിതൻ എഴുത്തുകാരനെ 'ഗുരുദേവ്' എന്ന് വിളിക്കുന്നത് കണ്ട് എഴുത്തുകാരൻ ആകൃഷ്ടനാകുന്നു. അയാൾ എല്ലാ ഗുരുക്കന്മാരുടെയും അഭിമാനം ഉയർത്തിയെന്ന് എഴുത്തുകാരന് തോന്നുന്നു

Here is the vocabulary from the chapter formatted for a Word document, with the English pronunciation removed as requested.

शब्दार्थ: रैन बसेरे में... (Word Meanings)

Hindi Word	English Meaning	Malayalam Meaning
तिल बिखेरना	To sprinkle sesame seeds	എള്ളു വിതറുക
खतरनाक	Dangerous	അപകടകരം
पगडंडी	Narrow pathway	ഒറ്റയടിപ്പാത
चढ़ाई	An upward slope	കയറ്റം
सिमटना	To gather around / Gather	ഉരുണ്ടുകൂടുക
जाली वाला	With rails / Grills	അഴികളുള്ള
रैन बसेरा	Place to spend the night	രാത്രി താമസിക്കാനുള്ള സ്ഥലം
दरी	Bedding / Carpet	പായ
ओढ़ना	To cover	പുതയ്ക്കുക
चाबुक	Whip	ചാട്ടവാൾ
धमकी	Threat	ഭീഷണി
सिक्का	Coin	നാണയം
अवचेतन	Subconscious	ഉപബോധം
तलाशी	Search	പരിശോധന
कानी कौड़ी	Pennies / Small coins	ചില്ലിക്കൊഴ്

Additional Chapter Terms

- **सदाव्रत:** Arrangement for giving essential items to travelers for free.
- **गाकड़:** Food item made of wheat flour, smaller than a roti.
- **पिटू:** Box or backpack for carrying belongings.
- **ऊलजलूल बकना:** To speak useless or nonsense things.
- **विक्षिप्त:** Mad or mentally unstable.
- **उदंड:** Aggressive or disobedient.
- **आलोड़न:** Deep thinking / Churning of thoughts.

एक अंक वाले प्रश्न (ഒരു മാർക്കിന്റെ ചോദ്യങ്ങൾ)

1. अमृतलाल वेगड़ ने किस नदी की पदयात्रा की थी? (അമൃതലാൽ വേഗഡ് ഏത് നദിക്കരയിലൂടെയാണ് പദയാത്ര നടത്തിയത്?)

उत्तर: अमृतलाल वेगड़ ने नर्मदा नदी की पदयात्रा की थी। (ഉത്തരം: അമൃതലാൽ വേഗഡ് നർമ്മദാ നദിക്കരയിലൂടെയാണ് പദയാത്ര നടത്തിയത്.)

2. लेखक के साथ पदयात्रा में उनका सहायक कौन था? (യാത്രയിൽ ലേഖകന്റെ സഹായി ആരായിരുന്നു?)

उत्तर: लेखक के साथ पदयात्रा में उनका सहायक छोटू था। (ഉത്തരം: യാത്രയിൽ ലേഖകന്റെ സഹായി ചോട്ടു ആയിരുന്നു.)

3. यात्रियों को किस गाँव में रुकना पड़ा? (യാത്രികർക്ക് ഏത് ഗ്രാമത്തിലാണ് തങ്ങേണ്ടി വന്നത്?)

उत्तर: यात्रियों को पथोड़ा गाँव में रुकना पड़ा। (ഉത്തരം: യാത്രികർക്ക് പഥോഡ ഗ്രാമത്തിൽ തങ്ങേണ്ടി വന്നു.)

4. पथोड़ा गाँव में यात्रियों का 'रैन बसेरा' क्या था? (പഥോഡ ഗ്രാമത്തിൽ യാത്രികരുടെ 'റൈൻ ബസേര' രാത്രി താവളം) എന്തായിരുന്നു?)

उत्तर: पथोड़ा गाँव में यात्रियों का 'रैन बसेरा' एक मंदिर का बरामदा था। (ഉത്തരം: പഥോഡ ഗ്രാമത്തിൽ ഒരു ക്ഷേത്രത്തിന്റെ വരാന്തയായിരുന്നു യാത്രികരുടെ രാത്രി താവളം.)

5. पागल आदमी ने स्वयं को क्या बताया था? (ഭ്രാന്തനായ മനുഷ്യൻ സ്വയം ആരാണെന്നാണ് വിശേഷിപ്പിച്ചത്?)

उत्तर: पागल आदमी ने स्वयं को सी.आई.डी. इंस्पेक्टर बताया था। (ഉത്തരം: ഭ്രാന്തനായ മനുഷ്യൻ സ്വയം ഒരു സി.ഐ.ഡി. ഇൻസ്പെക്ടർ ആണെന്നാണ് പറഞ്ഞത്.)

6. पागल आदमी ने लेखक की मुट्टी में क्या रखा था? (ഭ്രാന്തനായ മനുഷ്യൻ ലേഖകന്റെ ഉള്ളംകൈയിൽ എന്ത് വെച്ചു കൊടുത്തു?)

उत्तर: पागल आदमी ने लेखक की मुट्टी में बीस पैसे का सिक्का रखा था। (ഉത്തരം: ഭ്രാന്തനായ മനുഷ്യൻ ലേഖകന്റെ ഉള്ളംകൈയിൽ ഇരുപത് പൈസയുടെ ഒരു നാണയം വെച്ചു കൊടുത്തു.)

7. लेखक पेशे से क्या थे? (ലേഖകന്റെ തൊഴിൽ എന്തായിരുന്നു?)

उत्तर: लेखक पेशे से एक शिक्षक थे। (ഉത്തരം: ലേഖകൻ ഒരു അധ്യാപകനായിരുന്നു.)

8. पागल आदमी का व्यवहार अचानक क्यों बदल गया? (ആ മനുഷ്യന്റെ പെരുമാറ്റം പെട്ടെന്ന് മാറാൻ കാരണമെന്ത്?)

उत्तर: यह जानने पर कि लेखक एक शिक्षक हैं, पागल आदमी का व्यवहार अचानक बदल गया क्योंकि उसके अवचेतन में गुरु के प्रति आदर का संस्कार था। (ഉത്തരം: ലേഖകൻ ഒരു അധ്യാപകനാണെന്ന് അറിഞ്ഞപ്പോൾ ആ മനുഷ്യന്റെ പെരുമാറ്റം മാറി, കാരണം ഗുരുവിനോടുള്ള ആദരവ് അയാളുടെ ഉപബോധമനസ്സിൽ ഉണ്ടായിരുന്നു.)

9. पड़ोस के युवक ने उस पागल आदमी का यात्रियों से क्या रिश्ता बताया? (അയൽപക്കത്തെ യുവാവ് ആ മനുഷ്യനുമായി തനിക്കുള്ള ബന്ധം എന്താണെന്നാണ് പറഞ്ഞത്?)

उत्तर: पड़ोस के युवक ने बताया कि वह पागल आदमी उसका पिता है। (ഉത്തരം: ആ മനുഷ്യൻ തന്റെ പിതാവാണെന്നാണ് യുവാവ് പറഞ്ഞത്.)

10. पागल आदमी ने सुबह चबूतरे पर लेखक के साथ क्या किया? (രാവിലെ ചബൂത്തരയിൽ വെച്ച് ആ മനുഷ്യൻ ലേഖകനോട് എങ്ങനെയാണ് പെരുമാറിയത്?)

उत्तर: पागल आदमी ने घुटनों के बल झुककर लेखक के पाँव छुए और अपनी हरकत के लिए माफी माँगी। (ഉത്തരം: ആ മനുഷ്യൻ മുട്ടുകുത്തി നിന്ന് ലേഖകന്റെ പാദങ്ങൾ സ്പർശിക്കുകയും തന്റെ പ്രവർത്തിയിൽ മാപ്പ് ചോദിക്കുകയും ചെയ്തു.)

1. **प्रश्न:** 'रैन बसैरे में...' यात्रावृत्त में एक विचित्र व्यक्ति का वर्णन है। नीचे दिए गए संकेतों के आधार पर उसका **चरित्र-चित्रण** तैयार कीजिए।

अपरिचित व्यक्ति (पागल) का चरित्र-चित्रण

अमृतलाल वेगड़ के यात्रावृत्त का यह पात्र मानसिक रूप से बीमार था, जिसे अक्सर दौरे पड़ते थे। वह खुद को सी.आई.डी. इंस्पेक्टर बताकर यात्रियों को डराने लगा और उनके सामान की तलाशी ली। लेकिन जब उसे पता चला कि लेखक एक 'शिक्षक' हैं, तो उसका व्यवहार बदल गया। उसके मन में गुरु के प्रति आदर था, इसलिए उसने लेखक के पैर दबाए और उन्हें बीस पैसे का एक सिक्का दिया। सुबह वह अपनी हरकतों पर शर्मिंदा था और लेखक के पैर छूकर माफी माँगने लगा। उसका चरित्र यह दिखाता है कि एक शिक्षक का सम्मान समाज में कितना गहरा है।

2. **प्रश्न:** पथोड़ा गाँव के मंदिर में हुई विचित्र घटना के बाद लेखक ने अपने अनुभवों को अपनी डायरी में लिखा होगा। उस दिन की **डायरी** तैयार कीजिए।

लेखक की डायरी (Diary)

11 अक्टूबर 1997
शनिवार

आज की रात पथोड़ा गाँव के मंदिर में बिताया गया समय मैं कभी नहीं भूल सकता। एक पागल आदमी ने हमें बहुत डराया और हमारा सामान बिखेर दिया। मैं बहुत चिंतित था, लेकिन मेरे 'शिक्षक' होने की बात सुनकर वह शांत हो गया। उसने श्रद्धा से मेरे पैर दबाए और मुझे बीस पैसे का सिक्का दिया। एक शिक्षक के रूप में मिला यह सम्मान मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

3. प्रश्न:

रात के समय जब वह अपरिचित व्यक्ति मंदिर के बरामदे में आता है और यात्रियों से पूछताछ करता है, उस प्रसंग के आधार पर एक **पटकथा** (Script) तैयार कीजिए।

पटकथा (Script)

दृश्य: एक ।

स्थान : एक मंदिर का बरामदा ।

समय: रात 11 बजे।

पात्र और वेशभूषा: लेखक : धोती और कुर्ता पहना है ।

छोटू : पतलून और कुर्ता पहना है ।

पागल आदमी : पतलून और फटी कुर्ता पहना है ।

दृश्य का विवरण : एक मंदिर का बरामदा । लेखक और छोटू एक दरी पर सो रहे हैं। पागल आदमी चिल्लाते हुए प्रवेश करता है।

संवाद :

पागल आदमी: (गुस्से में) कौन हो तुम लोग? यहाँ कैसे घुस आए?

लेखक: भाई, मंदिर बनवाने वालों ने ही हमें यहाँ ठहराया है।

पागल आदमी: मैं सी.आई.डी. इंस्पेक्टर हूँ! मैं तुम्हारी तलाशी लूँगा। (वह सामान बाहर फेंकता है और किताबें देखकर शांत हो जाता है।)

पागल आदमी: तुम क्या काम करते हो?

लेखक: मैं शिक्षक था, अब रिटायर हो गया हूँ।

पागल आदमी: (शांत होकर) अच्छा, सो जाओ।

4. प्रश्न:

पथोड़ा गाँव की विचित्र रात और वहाँ के मंदिर के बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

स्थान:
तारीख:

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। मैं तुम्हें अपनी यात्रा का एक विचित्र अनुभव बताना चाहता हूँ। बारिश के कारण हमें पथोड़ा गाँव के एक मंदिर के बरामदे में रुकना पड़ा। गाँव वालों ने मिलकर यह मंदिर बनवाया है और अभी वहाँ मूर्ति की स्थापना नहीं हुई है।

वहाँ एक पागल आदमी ने हमें बहुत डराया। लेकिन जब उसे पता चला कि मैं एक 'शिक्षक' हूँ, तो वह शांत हो गया। उसने आदर से मेरे पैर दबाए और मुझे बीस पैसे का एक सिक्का दिया। उस रात मुझे अहसास हुआ कि समाज में शिक्षक का स्थान बहुत ऊँचा है। शेष मिलने पर।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
अमृतलाल वेगड़

सेवा में,
नाम
पता

5. प्रश्न:

मंदिर में ठहरने की सुविधा देने के लिए मंदिर के संरक्षक को धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

सेवा में,

मुख्य संरक्षक,
ग्राम मंदिर समिति,
पथोड़ा गाँव।

12 अक्टूबर 1997

विषय: सहायता के लिए धन्यवाद पत्र।

महोदय,

मैं अमृतलाल वेगड़ हूँ। कल रात भारी बारिश के कारण हमें आपके मंदिर के बरामदे में रुकना पड़ा। आपने हमें ठहरने की अनुमति दी और दरी तथा बाल्टी भी दी, इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ। आपकी सहायता के कारण हमारी यात्रा सुखद रही।

सप्रेम धन्यवाद,

भवदीय,
अमृतलाल वेगड़

6. प्रश्न:

आपकी स्कूल 'ऑक्सफोर्ड एकेडमी, केरल' में 5 सितम्बर को 'अध्यापक दिवस' (शिक्षक दिवस) मनाने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम के उद्घाटक माननीय जिला शिक्षा अधिकारी हैं। इस कार्यक्रम के लिए एक आकर्षक पोस्टर तैयार कीजिए।

उत्तर (पोस्टर):

सरकारी हाई स्कूल, वयनाड

5 सितम्बर

"शिक्षक दिवस समारोह"

"गुरु बिन ज्ञान न उपजे"

उद्घाटक: माननीय जिला शिक्षा अधिकारी

दिनांक: 5 सितम्बर
समय: सुबह 10:00 बजे
स्थान: स्कूल सभागार

मुख्य कार्यक्रम

- > शिक्षकों का विशेष सम्मान
- > छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम
- > गुरु-शिष्य परंपरा पर चर्चा

आप सभी का इस समारोह में हार्दिक स्वागत है।

आयोजक: हिंदी क्लब, ऑक्सफोर्ड एकेडमी